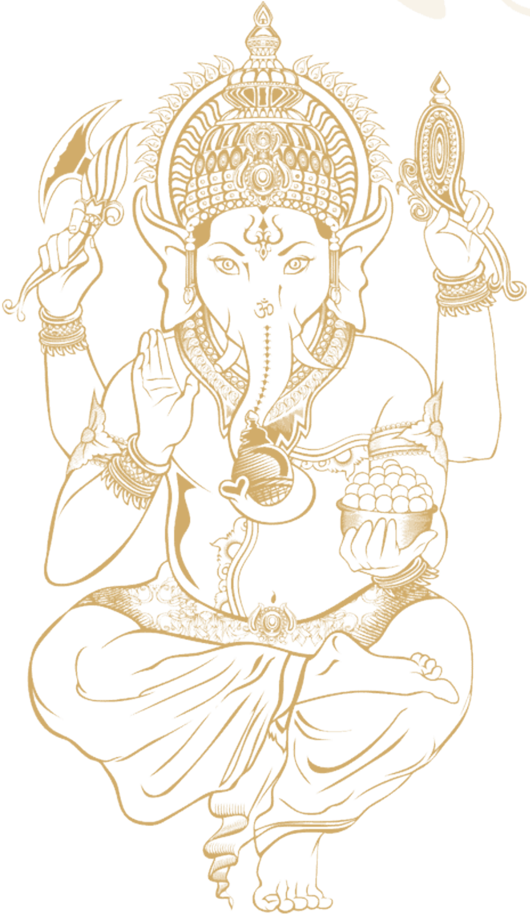

Rudransh tiwari

12 Mar 2021

04:42 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121914802

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **12/03/2021**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **16:42:00 घंटे**
इष्ट	: 25:49:27 घटी
स्थान	: **Jabalpur**
राज्य	: Madhya Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 23:10:00 उत्तर
रेखांश	: 79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 16:31:48 घंटे
वेलान्तर	: -00:09:43 घंटे
साम्पातिक काल	: 03:53:06 घंटे
सूर्योदय	: 06:22:13 घंटे
सूर्यास्त	: 18:18:00 घंटे
दिनमान	: 11:55:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 27:56:53 कुम्भ
लग्न के अंश	: 06:53:49 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	: **कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: साध्य
करण	: चतुष्पाद
गण	: राक्षस
योनि	: अश्व
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	06:53:49	324:59:18	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	27:56:53	00:59:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	16:45:15	12:41:58	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	10:42:23	00:35:13	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
बुध			कुंभ	01:24:57	01:13:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			मक	25:01:18	00:13:06	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र		अ	कुंभ	24:28:40	01:14:50	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मक	15:29:48	00:05:53	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृष	20:31:41	00:13:50	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	20:31:41	00:13:50	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मेष	13:54:54	00:02:38	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
नेप			कुंभ	26:32:22	00:02:17	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
प्लूटो			मक	02:08:57	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			वृष	06:17:04	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:55

लग्न-चलित

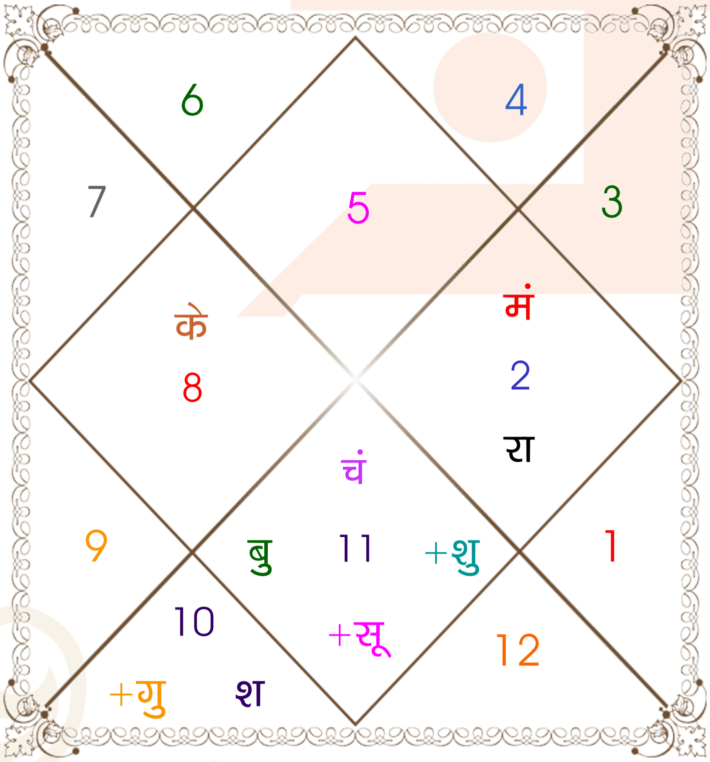

चन्द्र कुंडली

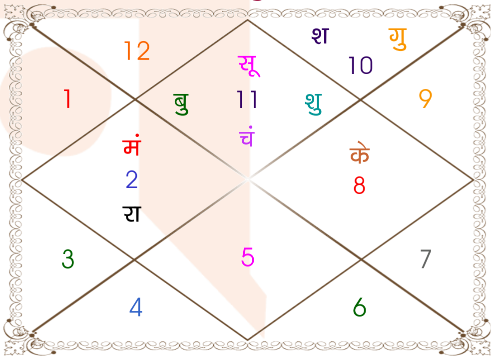

नवमांश कुंडली

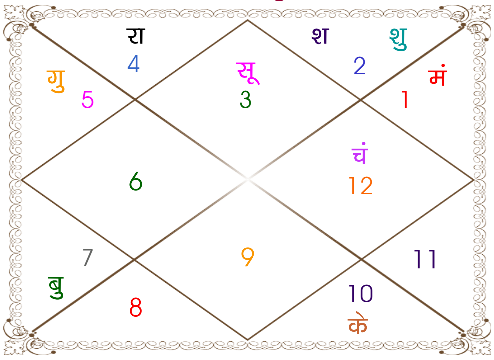

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 4 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
12/03/2021	**30/07/2025**	**30/07/2041**	**29/07/2060**	**30/07/2077**
30/07/2025	**30/07/2041**	**29/07/2060**	**30/07/2077**	**29/07/2084**
00/00/0000	गुरु 17/09/2027	शनि 02/08/2044	बुध 26/12/2062	केतु 26/12/2077
00/00/0000	शनि 30/03/2030	बुध 12/04/2047	केतु 23/12/2063	शुक्र 25/02/2079
00/00/0000	बुध 05/07/2032	केतु 20/05/2048	शुक्र 23/10/2066	सूर्य 03/07/2079
00/00/0000	केतु 11/06/2033	शुक्र 21/07/2051	सूर्य 30/08/2067	चंद्र 01/02/2080
12/03/2021	शुक्र 10/02/2036	सूर्य 02/07/2052	चंद्र 28/01/2069	मंगल 29/06/2080
शुक्र 16/02/2022	सूर्य 28/11/2036	चंद्र 31/01/2054	मंगल 25/01/2070	राहु 18/07/2081
सूर्य 10/01/2023	चंद्र 30/03/2038	मंगल 12/03/2055	राहु 14/08/2072	गुरु 23/06/2082
चंद्र 11/07/2024	मंगल 06/03/2039	राहु 16/01/2058	गुरु 20/11/2074	शनि 02/08/2083
मंगल 30/07/2025	राहु 30/07/2041	गुरु 29/07/2060	शनि 30/07/2077	बुध 29/07/2084

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
29/07/2084	**30/07/2104**	**31/07/2110**	**30/07/2120**	**31/07/2127**
30/07/2104	**31/07/2110**	**30/07/2120**	**31/07/2127**	**00/00/0000**
शुक्र 29/11/2087	सूर्य 17/11/2104	चंद्र 31/05/2111	मंगल 27/12/2120	राहु 12/04/2130
सूर्य 28/11/2088	चंद्र 19/05/2105	मंगल 30/12/2111	राहु 14/01/2122	गुरु 05/09/2132
चंद्र 30/07/2090	मंगल 24/09/2105	राहु 30/06/2113	गुरु 21/12/2122	शनि 13/07/2135
मंगल 29/09/2091	राहु 18/08/2106	गुरु 30/10/2114	शनि 30/01/2124	बुध 29/01/2138
राहु 29/09/2094	गुरु 06/06/2107	शनि 31/05/2116	बुध 26/01/2125	केतु 17/02/2139
गुरु 30/05/2097	शनि 18/05/2108	बुध 30/10/2117	केतु 24/06/2125	शुक्र 13/03/2141
शनि 30/07/2100	बुध 25/03/2109	केतु 31/05/2118	शुक्र 24/08/2126	00/00/0000
बुध 31/05/2103	केतु 31/07/2109	शुक्र 30/01/2120	सूर्य 30/12/2126	00/00/0000
केतु 30/07/2104	शुक्र 31/07/2110	सूर्य 30/07/2120	चंद्र 31/07/2127	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरूष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।